"सा विद्या या विमुक्तये"

शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर (म. प्र.)

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासनप्रकोष्ठ (IQAC)

हरित परिसर, ऊर्जा और पर्यावरण नीति

शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर और प्रकृति के मध्य एक दीर्घकालिक और स्थायी संबंध है, जिसकी निरंतरता महाविद्यालय की स्थापना से ही बनी हुई है। महाविद्यालय का विस्तार छह एकड़ भूमि में है, जिसमें पर्याप्त क्लास रूम, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय और विभिन्न आउटडोर खेलों जैसे वालीबॉल, बास्केटबॉल, खो-खो, कबड्डी, फुटबॉल के लिए खेल के मैदान सहित इनडोर खेल जैसे बैडमिंटन और शतरंज के लिए आधारभूत सुविधाएं विद्यमान हैं। महाविद्यालय परिसर में पर्याप्त हरियाली है। महाविद्यालय भवन में छात्र एवं छात्राओं के लिए पृथक-पृथक प्रसाधन, इंटरनेट और पुस्तकालय सुविधाओं के साथ- साथ वाटर कूलर भी उपलब्ध है। महाविद्यालय युवा-उत्सव के माध्यम से विविध सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन करता है, जिसके द्वारा छात्रों को अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने तथा निखारने के अवसर प्राप्त होते हैं।

www.gtcanuppur.ac.in

Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

सन् 1972 से निरंतर महाविद्यालय द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता रहा है। महाविद्यालय परिसर में गुलमोहर, नीम, अशोक एवं फलदार वृक्ष जैसे अमरूद,बेर ,कदम और विभिन्न प्रकार के वृक्ष तथा तुलसी वाटिका का हरा -भरा परिसर इसका प्रमाण है। पर्यावरण संरक्षण को अपने संस्थागत मूल्यों में प्राथमिकता से सम्मिलित करने एवं इस दिशा में सतत प्रयास हेतु महाविद्यालय ने हरित परिसर, ऊर्जा एवं पर्यावरण नीति का निर्माण किया है।

नीति का विस्तार एवं क्षेत्र

1. स्वच्छ परिसर पहल
2. स्वच्छ वायु पहल
3. धूम्रपान मुक्त परिसर
4. ऊर्जा संरक्षण एवं ऊर्जा के नवीन स्रोत
5. वर्षा जल संचयन प्रणाली के माध्यम से जल संरक्षण
6. अपशिष्ट प्रबंधन प्रक्रियाएँ
    - ठोस अपशिष्ट प्रबंधन
    - तरल अपशिष्ट प्रबंधन
    - ई-अपशिष्ट प्रबंधन
7. जागरूकता पहल
8. ग्रीन ऑडिट व एनर्जी ऑडिट
9. प्लास्टिक मुक्त परिसर

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

नीति के उद्देश्य

- ❖ महाविद्यालय परिसर में पारिस्थितिक प्रणालियों व संसाधनों का संरक्षण करना।
- ❖ वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पर्यावरणीय संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करना।
- ❖ पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए छात्र-छात्राओं और स्थानीय समुदाय के साथ काम करना तथा पर्यावरण संरक्षण के अच्छे अभ्यासों(Good Practices) को अपनाने और पर्यावरण पर किसी भी प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के प्रयास करना।
- ❖ जलवायु संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन और वैश्विक संसाधनों के संरक्षण में हमारे योगदान में निरंतर सुधार करना।
- ❖ ऊर्जा और जल सहित सभी संसाधनों के कुशल उपयोग में लगातार सुधार करना और जहां संभव हो , खपत और उत्पादित कचरे की मात्रा को कम करना, कचरे का निपटारा और पुनर्चक्रण करना।
- ❖ महाविद्यालय परिसर को प्लास्टिक मुक्त बनाना।
- ❖ समय-समय पर पर्यावरण और ऊर्जा अंकेक्षण आयोजित करना।
- ❖ ई-गवर्नेंस के लिए नीति बनाकर प्रशासन में कागज के उपयोग को कम करना।

नीति:

स्वच्छ परिसर पहल

शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर (GTC Anuppur) ने स्वच्छ भारत अभियान के विजन के अनुसार महाविद्यालय और परिसर के बाहर स्वच्छता गतिविधियों को सक्रिय रूप से समन्वयित करने का संकल्प लिया था। यह इस कार्यक्रम को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। व्यापक दृष्टिकोण इस प्रकार है:

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

- ❖ नियमित स्वच्छता अभियान चलाकर छात्रों और स्टाफ सदस्यों के बीच स्वच्छता के बारे में जन जागरूकता लाना एवं उन्हें सक्रिय रूप से योगदान करने के लिए प्रेरित करना है।
- ❖ "स्वच्छ भारत अभियान" के तहत गतिविधियां , महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) और राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) के विद्यार्थियों द्वारा किए जा रहे सभी कार्यों का एक प्रमुख घटक रहेंगी।
- ❖ "स्वच्छ भारत" व "पर्यावरण संरक्षण" पर पोस्टर और स्लोगन प्रतियोगिता, निबंध लेखन, भाषण शब्द कविता, भाषण, नाटक जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।
- ❖ व्यापक जागरूकता पैदा करने के लिए कॉलेज परिसर में और उसके आसपास "स्वच्छ भारत अभियान" से जुड़े विषयों पर रैलियां एवं नुक्कड़ नाटक आयोजित किए जाएंगे।
- ❖ सभी प्रकार के अपशिष्ट पदार्थ जैसे टूटे हुए फर्नीचर, अनुपयोगी उपकरण आदि को हटाना अथव उचित निपटारा करना।
- ❖ छात्रों एवं स्टाफ सदस्यों द्वारा महाविद्यालय परिसर एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में वार्षिक आधार पर साफ-सफाई बनाए रखने की शपथ दिलाना।
- ❖ 3R पर कार्यशालाएं आयोजित करना: Reduce कचरे को कम करना, Reuse पुन: उपयोग करना और Recycle पुनर्चक्रण करना।
- ❖ विशेष रूप से महाविद्यालय के कार्यक्रमों के दौरान कचरे के प्रबंधन और परिसर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध।

स्वच्छ वायु पहल

- ❖ वार्षिक वृक्षारोपण अभियान का संचालन करना।
- ❖ वृक्षारोपण कार्यक्रमों के आयोजन में छात्रों को प्रोत्साहित करना।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

- ❖ छात्रों और कर्मचारियों को सार्वजनिक परिवहन का उपयोग ,कारपूलिंग व साइकिलिंग जैसे यातायात माध्यमों के लिए प्रोत्साहित करना। ऐसी गतिविधियां वायु प्रदूषण को नियंत्रित करती है, साथ ही सामाजिक संपर्क को सुदृढ़ करने में सहायक होती हैं ।

- ❖ निजी वाहनों के उपयोग में कमी लाने के लिए परिसर के अंदर सप्ताह में एक दिन (शनिवार) वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित किया जाना प्रस्तावित है। जिससे हम अपने हरित आवरण को बनाए रखने में योगदान दे सकें।

धूम्रपान मुक्त परिसर

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एनटीसीपी) 2007-2008 द्वारा प्रदान किए गए मानदंड के अनुपालन में, कॉलेज धूम्रपान और अन्य तंबाकू उत्पादों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाता है। इस दिशा में एक कदम के रूप में, महाविद्यालय परिसर और उसके आसपास धूम्रपान और तंबाकू का उपयोग सख्त वर्जित है। कॉलेज की धूम्रपान निषेध समिति का गठन किया जाएगा जो कि धूम्रपान निषेध नीति को लागू करना सुनिश्चित करेगी।

ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोत

शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर, परिसर में प्रकाश व्यवस्था करने के उद्देश्य से सौर ऊर्जा जैसे नवीन ऊर्जा स्रोतों को अपनाकर ,गैर नवीकरणीय संसाधनों द्वारा उत्पादित बिजली की खपत को कम करने में विश्वास रखता है। महाविद्यालय बिजली के अपनी खपत को कम से कम करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस हेतु सौर ऊर्जा उपकरणों की स्थापना की जाएगी।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

ऊर्जा बचत और ऊर्जा कुशल उपकरण

हम पर्यावरण के अनुकूल विद्युत उपकरण स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो ऊर्जा की बचत करते हैं और ऊर्जा दक्षता को बढ़ाते हैं। इस हेतु महाविद्यालय द्वारा पुरानी अधिक ऊर्जा खपत वाले उपकरणों को हटाते हुए नवीन उपकरणों एवं एलईडी लाइट का इस्तेमाल किया जाएगा।

वर्षा जल संचयन प्रणाली के माध्यम से जल संरक्षण

महाविद्यालय में वर्षा जल संचयन प्रणाली की स्थापना सुनिश्चित की जाएगी।

अपशिष्ट प्रबंधन प्रक्रियाएं

महाविद्यालय परिसर में उत्पन्न होने वाले कचरे को कम करना और उसका प्रबंधन करना। पर्यावरण संरक्षण में महाविद्यालय के योगदान को सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित विशिष्ट प्रक्रियाएं अपनाई जाएंगी-

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन

निम्नलिखित विधियों के माध्यम से ठोस कचरे का प्रबंधन करना -

- परिसर में उत्पादित कागज के कचरे को इकट्ठा करना और पुनर्चक्रण के लिए स्क्रैप डीलरों के साथ सहयोग करना।
- प्रौद्योगिकी केंद्रित शिक्षण और प्रशासनिक मॉडल विकसित करके ठोस कचरे को कम करना।
- उपस्थिति और आंतरिक मूल्यांकन रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण को प्रोत्साहित करके कागज के उपयोग को न्यूनतम करना।
- महाविद्यालयीन पुस्तकालय के ई-पुस्तकों और ई-पत्रिकाओं के संग्रह को अद्यतन करके मुद्रित पुस्तकोंपर निर्भरता को कम करना।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

- ❖ छात्रों और शिक्षकों को असाइनमेंट सबमिशन के लिए ईमेल का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना।
- ❖ भोजन की बर्बादी क़ो कम करने के तरीकों के बारे में छात्रों में जागरूकता फैलाने की पहल करना।
- ❖ पैकेज्ड फ़ूड का उपयोग कम से कम करना, गैर-बायोडिग्रेडेबल उत्पादों को दोबारा इस्तेमाल करने और पुनर्चक्रण करने की आदत।
- ❖ ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर कार्यशालाएँ का आयोजित कर छात्रों को संवेदनशील बनाना।
- ❖

तरल अपशिष्ट प्रबंधन

- ❖ लीक प्रूफ वाटर फिक्स्चर प्रणाली बनाए रखना।
- ❖ पश्चिमी शैली के शौचालयों के स्थान पर अधिक भारतीय शैली के शौचालयों का निर्माण कर पानी का उपयोग कम से कम करें।
- ❖ नल, पाइप, टैंक, शौचालय फ्लश आदि के माध्यम से किसी भी पानी के रिसाव को रोकने के लिए तत्काल कार्यवाही सुनिश्चत करना।

ई-अपशिष्ट प्रबंधन

शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर सुनिश्चित करता है कि प्रौद्योगिकी का उपयोग और ई-कचरे का उत्पादन पर्यावरण को प्रभावित ना कर सके , इसके लिए कॉलेज की योजना इस दिशा में प्रयास करने की है:

- ❖ संस्थागत ई-कचरे के निपटान के लिए और इलेक्ट्रॉनिक कचरे को पुनर्चक्रित करने के लिए प्रावधान।
- ❖ ई-कचरे में कमी और ई-कचरे के लिए पर्यावरण के अनुकूल निपटान प्रथाओं के बारे में छात्रों के बीच जागरूकता।
- ❖ ई-अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित विभाग और समाज स्तर की गतिविधियों को प्रोत्साहित करना।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
D'stt. Anuppur (M.P.)

जागरूकता पहल

शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर ग्रीन कैपस, ऊर्जा और पर्यावरण नीतियों के प्रभावी कार्यान्वयन की सुविधा के लिए जागरूकता अभियानों, सेमिनारों, कार्यशालाओं और सम्मेलनों को आयोजित करता है।

महविद्यालय इस दिशा में छात्र - छात्राओं के लिए एनएसएस एवं एनसीसी कैंप द्वारा प्रशिक्षण सत्रों तथा अन्य गतिविधियों जैसे पेंटिंग, पोस्टर-निर्माण, रंगोली, नुक्कड़ नाटक आदि को आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित करेगा जो जमीनी स्तर पर सकारात्मक पर्यावरणीय परिवर्तन लाएंगे।

ग्रीन ऑडिट करना

शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर का लक्ष्य दीर्घकालीन स्थिरता के हमारे लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए नियमित रूप से कॉलेज परिसर का ग्रीन ऑडिट एवं एनर्जी ऑडिट करना है। ये ऑडिट यह तय करेंगे कि महाविद्यालय द्वारा अधिकांश ऊर्जा ,पानी एवं अन्य संसाधनों का उपयोग कैसे किया जा रहा है। इस आधार पर महाविद्यालय विचार कर सकता है कि परिवर्तनों को कैसे लागू किया जाए और बचत कैसे की जाए। पुनर्चक्रण परियोजनाओं या अपशिष्ट न्यूनीकरण योजनाओं को अपनाया जा सकता है। यह स्वास्थ्य जागरूकता पैदा करेगा और पर्यावरणीय मूल्यों और नैतिकता को बढ़ावा देगा। इस तरह के ऑडिट पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं के प्रभाव की बेहतर समझ प्रदान करते है। एनर्जी ऑडिट एवं ग्रीन ऑडिटिंग, संसाधनों के उपयोग में कमी के माध्यम से वित्तीय बचत को बढ़ावा देंगी। यह आवश्यक है कि शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर एक स्थायी भविष्य की दिशा में अपने स्वयं के योगदान का मूल्यांकन करे।

अतः महाविद्यालय में नियमित रूप से एनर्जी ऑडिट एवं ग्रीन ऑडिट किया जाना सुनिश्चित किया जाएगा।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

प्लास्टिक मुक्त परिसर

शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर अपनी स्थापना के समय से ही ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के मामले में अपने अधिकांश कर्तव्यों का पालन कर रहा है। प्लास्टिक के उपयोग और प्रदूषण के खतरनाक प्रभाव के कारण सभी एकल उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने के भारत सरकार के संकल्प के अनुसार, महाविद्यालय प्रशासन ने इसे "प्लास्टिक मुक्त परिसर" बनाने के लिए परिसर में एकल उपयोग प्लास्टिक के उपयोग पर सख्ती से प्रतिबंध लगा दिया है। महाविद्यालय में यथासंभव प्लास्टिक का उपयोग कम करते हुए एकल उपयोग प्लास्टिक को पूर्णता प्रतिबंधित किया जाएगा।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)